प्रभु अपने चरणों से

धुन- बचपन की मोहब्बत को

प्रभु अपने चरणों से, मुझको न जुदा करना,
जब याद सताए तेरी, दर्शन की दया करना ॥

न तपस्वी न ध्यानी, न योगी न ज्ञानी ॥
तूँ सर्वस्य दाता मेरा, मैं नीच हूँ अज्ञानी ।
भगवन मेरे दोषों पर, मत ध्यान दिया करना,
जब याद सताए तेरी, दर्शन की दया करना ॥

जब फँस के माया में, प्रभु तुझको मैं भूल जाऊँ ॥
सच्चा भक्ति का रंग, छोड़ विषयों में लग जाऊँ ।
तो तुम प्रभु आ करके, मोहे थाम लिया करना,
जब याद सताए तेरी, दर्शन की दया करना ॥

मँझधार पड़ी नईया, कोई खेवनहार नहीं ॥
इक्क तेरे सिवा प्रीतम, मेरा जग्ग में नहीं कोई ।
तूँ सतगुरु दाता मेरा, मोहे थाम लिया करना,
जब याद सताए तेरी, दर्शन की दया करना ॥

प्रभु द्वार तेरा तज़ के, यह दास कहाँ जाए ॥
फ़रियादें यहअपनी रो, रो रो तुझे सुनाए ।
आवाज़ मेरी सुनकर, पहचान लिया करना,
जब याद सताए तेरी, दर्शन की दया करना ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22563/title/prabhu-apne-charno-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |